स्वच्छ विद्यालय

स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश

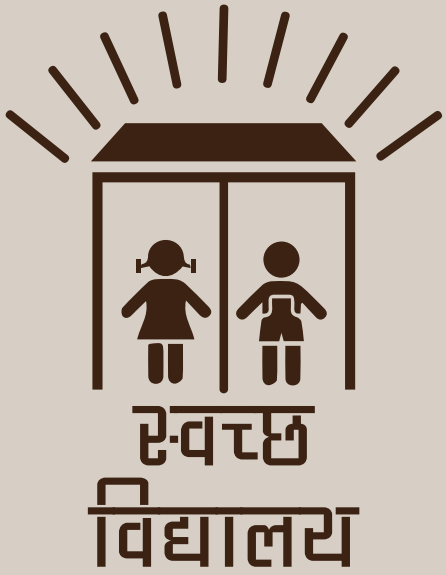

स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश

सत्यमेव जयते

एक काम और है, वह है शौचालय बनाना। हमारे देश के गांवों में 60 प्रतिशत से भी ज्यादा लोग आज खुले में शौचालय के लिये जा रहे हैं। मुझे सबसे बड़ी पीड़ा होती है, माँ–बहनों को जब खुले में जाना पड़ता है, ये कलंक मिटाना है, हम सबको मिलकर मिटाना है। मैंने Corporate Social Responsibility वालों से भी कहा है कि इस काम को प्राथमिकता दीजिए, माँ–बहनों के सम्मान के लिए हम इतना तो करें।

आज भी कई स्कूल ऐसे हैं, कि जहां बालिकाओं के लिए अलग शौचालय नहीं हैं ये स्थिति बदलनी है। किसी का इसमें दोष नहीं है, कोई जिम्मेवार नहीं है, बस हमने सकारात्मक रुप से भविष्य की ओर देख कर के चल पड़ना हैं।

नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

स्वच्छ भारत अभियान का प्रारंभ

गत वर्ष 15 अगस्त 2014 को माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा की गई उद्घोषणा की परिकल्पना को साकार करने के लिए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा ''स्वच्छ विद्यालय अभियान'' प्रारंभ किया गया।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य था कि विभिन्न केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम, निजी कॉर्पोरेट संस्थानों, माननीय सांसद एवं विधायकों की विकास निधि एवं स्थानीय स्तर पर जन सहयोग के माध्यम से लक्ष्य की प्राप्ति की जाये। उक्त लक्ष्य की पूर्ति और कार्यक्रम में पारदर्शिता पूर्ण सफल क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा ''स्वच्छ विद्यालय'' पोर्टल विकसित किया गया।

उक्त पोर्टल के माध्यम से डाईस 2013–14 के सर्वे के आधार पर उन स्कूलों को प्रदर्शित किया गया जो या तो शौचालय विहीन थे या जहाँ शौचालय कतिपय कारणों से अक्रियाशील हो गये थे। पोर्टल पर इन स्कूलों के स्थान एवं शौचालयों के प्रकार के आधार पर भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों, माननीय सांसदों एवं विधायकों तथा निजी औद्योगिक घरानों के द्वारा स्कूलों का चयन कर, उन स्कूलों में शौचालयों के निर्माण हेतु सहमति दी गई।

स्वच्छ विद्यालय

मध्यप्रदेश के हर सरकारी विद्यालय में शौचालय है और उनका उपयोग सुनिश्चित होगा एवं उनके रखरखाव की उचित व्यवस्था की जायेगी। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान के सपने को हम मध्यप्रदेश में सच करने के लिये पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में स्वच्छ विद्यालय अभियान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्वच्छ विद्यालय पोर्टल के अनुसार मध्यप्रदेश के शासकीय स्कूलों में 33,201 नवीन शौचालयों के निर्माण की आवश्यकता थी। भारत सरकार के विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा 16,855 शौचालयों के निर्माण की सहमति पोर्टल पर दर्ज की गई। अन्य 16346 शौचालयों के निर्माण कार्य हेतु आवश्यक धनराशि की पूर्ति सर्व शिक्षा अभियान एवं राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के साथ ही माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा स्थापित ''स्वच्छ भारत कोष'' से की गई।

मार्च 2015 में प्रकाशित, वर्ष 2014–15 के डाईस सर्वे में जो आकड़े सामने आये उसमें लगभग पूर्वचयनित 33 हजार शौचालयों के अतिरिक्त लगभग 25 हजार शौचालयों की संख्या सामने आयी, जो अक्रियाशील थे। माननीय प्रधानमंत्री जी की यह मंशा कि कोई भी विद्यालय क्रियाशील शौचालयों से विहीन ना हो, को मूर्त रूप देने के लिए इन अक्रियाशील शौचालयों को भी, सुविधायुक्त क्रियाशील शौचालयों में परिर्णित कर निर्मित करने का लक्ष्य स्थापित किया गया। इस प्रकार मध्यप्रदेश के सामने कुल 58,204 शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य था। राज्य ने योजनाबद्ध रूप से कार्य प्रारंभ किया एवं माननीय सांसद – विधायक निधि, नगरीय निकायो, पंचायतो के साथ ही जनभागीदारी और राज्य बजट से मात्र 4 माह की समयावधि में लक्ष्य को प्राप्त किया।

स्वच्छ विद्यालय

शौचालयों का आकल्पन एवं गुणवत्ता युक्त निर्माण

शौचालयों का निर्माण समयसीमा में पूर्ण करने की प्रतिबद्धता के साथ ही मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण को भी अपना ध्येय बनाया। प्रदेश के मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में, स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर के द्वारा सर्वसुविधा युक्त शौचालयों का डिजाईन तैयार किया गया। इन डिजाईनों के आधार पर गुणवत्ता युक्त निर्माण हेतु निम्न मापदंड एवं विशेषताओं का ध्यान रखा गया–

- शौचालयों में वातायन व्यवस्था (Ventilation) हेतु दीवारें में आमने सामने वेन्टिलेटर निर्मित किये जायें ताकि हवा एवं प्रकाश की सही रूप से व्यवस्था हो सके।
- सभी शौचालयों में CWSN (Children with special needs) विद्यार्थियों के लिए रैम्प एवं रेलिंग की व्यवस्था की जाए।
- माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हाई सेकेन्डरी स्कूलों की बालिका विद्यार्थियों के द्वारा Sanitary waste disposal हेतु अनिवार्य रूप से बालिका शौचालय में इंसीनिरेटर निर्मित किये जाएं।
- जहाँ नलकूप (Borewell) एवं फोर्स लिफ्ट पम्प सफल है वहां पानी की टंकी का निर्माण छत पर किया। जिन स्थानों में पानी की टंकी में पानी सप्लाई करने की व्यवस्था नहीं हो सकती थी वहां 2–3 फीट की ऊचाई पर टंकी निर्मित की जाए, जो शौचालय यूनिट से पाईप के माध्यम से जुड़ी हो। जिससे शौचालयों में पानी सप्लाई की सुनिश्चिता रहे।
- यथा संभव, हाथ धुलाई यूनिट के अनुपयोगी पानी की निकासी, शौचालयों की निकास नालियों में हो जिससे स्वमेव सफाई की व्यवस्था रहे।
- स्वच्छता हेतु शौचालय में सैनेट्री टाइल्स लगाई जाए।
- शौचालय की दीवार पर निर्धारित स्लोगन्स प्रदर्शित किये जाएं एवं बच्चों को आकर्षित करने हेतु स्थानीय कला का प्रयोग किया जाए।

निर्माण हेतु प्रावधानित इकाई लागत

प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय हेतु

1 बालक/बालिका एकल इकाई	–	1.40 लाख
2. संयुक्त इकाई	–	2.60 लाख

हाई/हायर सकेन्ड्री विद्यालय हेतु

1 बालक/बालिका एकल इकाई	–	2.31 लाख
2. संयुक्त इकाई	–	4.62 लाख

शौचालयों की प्लानिंग

स्वच्छ विद्यालय

शौचालयों की ड्राइंग

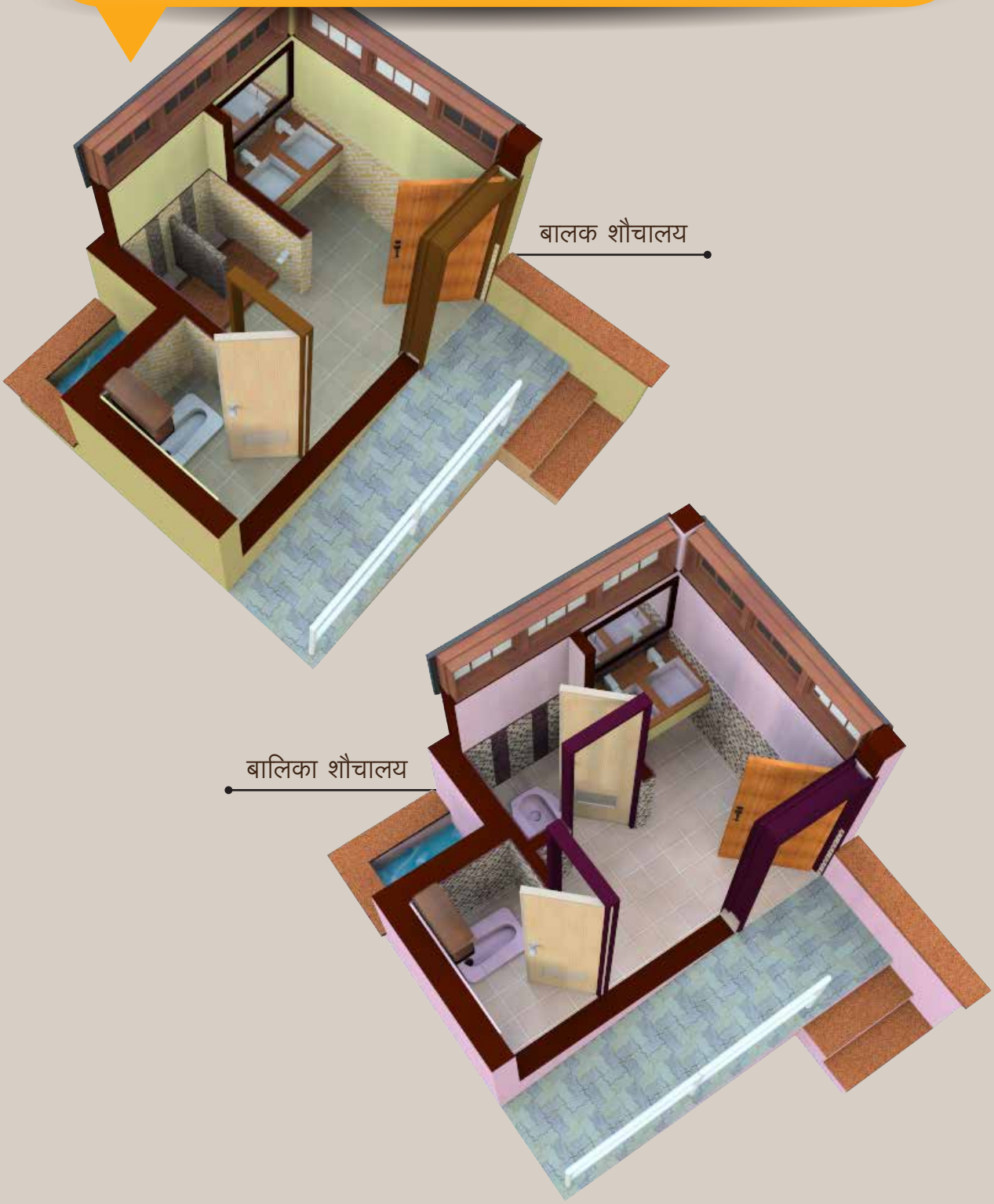

बालक एवं बालिकाओं हेतु संयुक्त शौचालय

स्वच्छ विद्यालय

लक्ष्य पूर्ति की रणनीति

समय सीमा में गुणवत्ता युक्त शौचालयों के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा चरणबद्ध कार्ययोजना के आधार पर कार्य की परिणिति, पूर्णता के रूप में की गई। इसके तहत्–

1. सर्वप्रथम अप्रैल माह में समस्त जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं जिला परियोजना समन्वयकों की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला भोपाल में आयोजित की गई।

2. राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जिलों के कार्य अमले का प्रशिक्षण कार्य संभाग स्तर पर किया गया। इस प्रशिक्षण में गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य के समस्त बिन्दुओं पर विस्तृत पारस्परिक संवाद कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

3. जिलों के द्वारा शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं राज्य मिस्त्रियों (Masons) का प्रशिक्षण संकुल (Cluster) स्तर पर आयोजित किये गये।

4. जिन क्षेत्रों में निर्माण स्थलों पर अतिक्रमण की समस्याएं थीं उन्हें राजस्व अमले के समन्वय से समय बद्ध रूप से निराकृत किया गया एवं शालाओं में, शौचालयों के निर्माण स्थल अतिक्रमण मुक्त कराये गये।

5. राज्य स्तर से निर्माण कार्यो का सतत् अनुश्रवण एम.पी. एजुकेशन पोर्टल एवं जी.आई.एस. मैपिंग के द्वारा किया गया।

6. सभी जिला कलेक्टर्स के द्वारा उक्त अभियान का कुशल नेतृत्व कर, कार्य अमले को हर संभव प्रोत्साहन तथा सहयोग प्रदान किया गया।

7. जिला पंचायतों, ग्राम पंचायतों एवं नगर निगमों तथा नगर पालिकाओं द्वारा लगभग 10 हजार पुराने शौचालयों का जीर्णोधार करवाते हुए उन्हें सर्वसुविधा युक्त शौचालयों के रूप में निर्मित किया गया।

8. ग्राम सभाओं में ग्रामीण जनों को 'स्वच्छ विद्यालय अभियान' के मंतव्य से अवगत कराकर जन–जागरूकता का संचार किया गया एवं उन्हें ''स्वच्छ भारत अभियान'' से भी जोड़ा गया।

9. दुर्गम पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में जहाँ निर्माण सामग्री का परिवहन असंभव था वहां प्री–फैब तकनीकी से शौचालयों का निर्माण किया गया।

10. केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम जहाँ भी शौचालय निर्माण पूर्ण कराने में असफल हो रहे थे वहां भी राज्य सरकार ने तत्काल उन उपक्रमों से अनुबंध संपादित किये और ऐसे 10,229 शौचालयों का भी निर्माण, शाला प्रबंधन समितियों के माध्यम से समय सीमा में पूर्ण कराया गया।

''स्वच्छ विद्यालय अभियान'' की उपलब्धियां

1. 15 अगस्त 2015 को सभी विद्यालयों में बालक एवं बालिकाओं हेतु पृथक पृथक शौचालय उपलब्ध।
2. तीन माह से भी कम समय में लगभग 35,000 शौचालयों का निर्माण।
3. सभी शौचालयों का गुणवत्ता युक्त निर्माण।
4. नव–निर्मित शौचालय विद्यार्थियों के साथ ही ग्रामीणजनों के भी आकर्षण का केन्द्र बने।
5. देश में सर्वप्रथम मध्यप्रदेश में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्यों को 26 जून 2015 को पूर्ण कराया।
5. भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम के साथ बेहतर समन्वय कर समय सीमा में कार्यपूर्ण कराया गया।
6. 58,204 गुणवत्तापूर्ण शौचालयों का निर्माण इस अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश में एक वर्ष से भी कम समय में पूर्ण कराया।

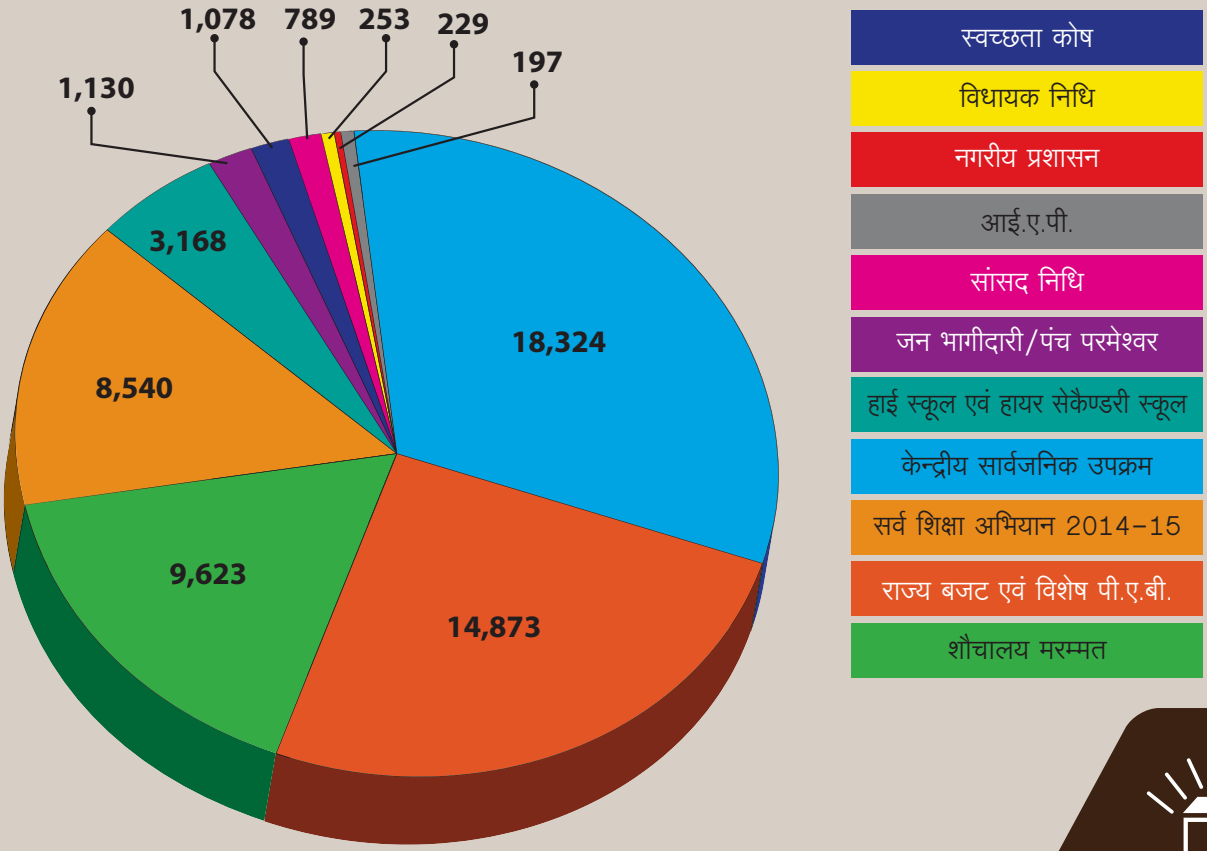

स्वच्छ विद्यालय

स्वच्छ विद्यालय मिशन के अन्तर्गत शौचालयों का निर्माण

क्र.	योजना	कुल स्वीकृति	पूर्ण	बजट (करोड़ में)
1	सर्व शिक्षा अभियान 2014-15	8540	8540	83.47
2	स्वच्छता कोष	1078	1078	11.46
3	नगरीय प्रशासन	229	229	3.20
4	आई.ए.पी.	197	197	2.75
5	सांसद निधि	789	789	11.04
6	विधायक निधि	253	253	3.54
7	जन भागीदारी/पंच परमेश्वर	1130	1130	15.82
8	राज्य बजट एवं विशेष पी.ए.बी.	14873	14873	198.25
9	हाई स्कूल एवं हायर सेकैण्डरी स्कूल	3168	3168	36.36
10	केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम	18324	18324	256.53
11	शौचालय मरम्मत	9623	9623	38.49
	कुल योग	**58204**	**58204**	**687.91**

जिलों में निर्मित शौचालय

स्वच्छ विद्यालय

गुना जिलें में राज्य बजट से स्वीकृत 690 शौचालय के कार्य को 43°C तापमान में ले-आउट कर दो माह से भी कम समय पूरे किये

राजमिस्त्रीयों के प्रशिक्षण उपरान्त पूरे जज्बे के साथ कार्य करते स्थानीय मजदूर

नक्सल प्रभावित जिला बालाघाट में तीव्र गति से कार्य पूर्ण करने की दिशा में रात में भी निर्माण कार्य किया गया

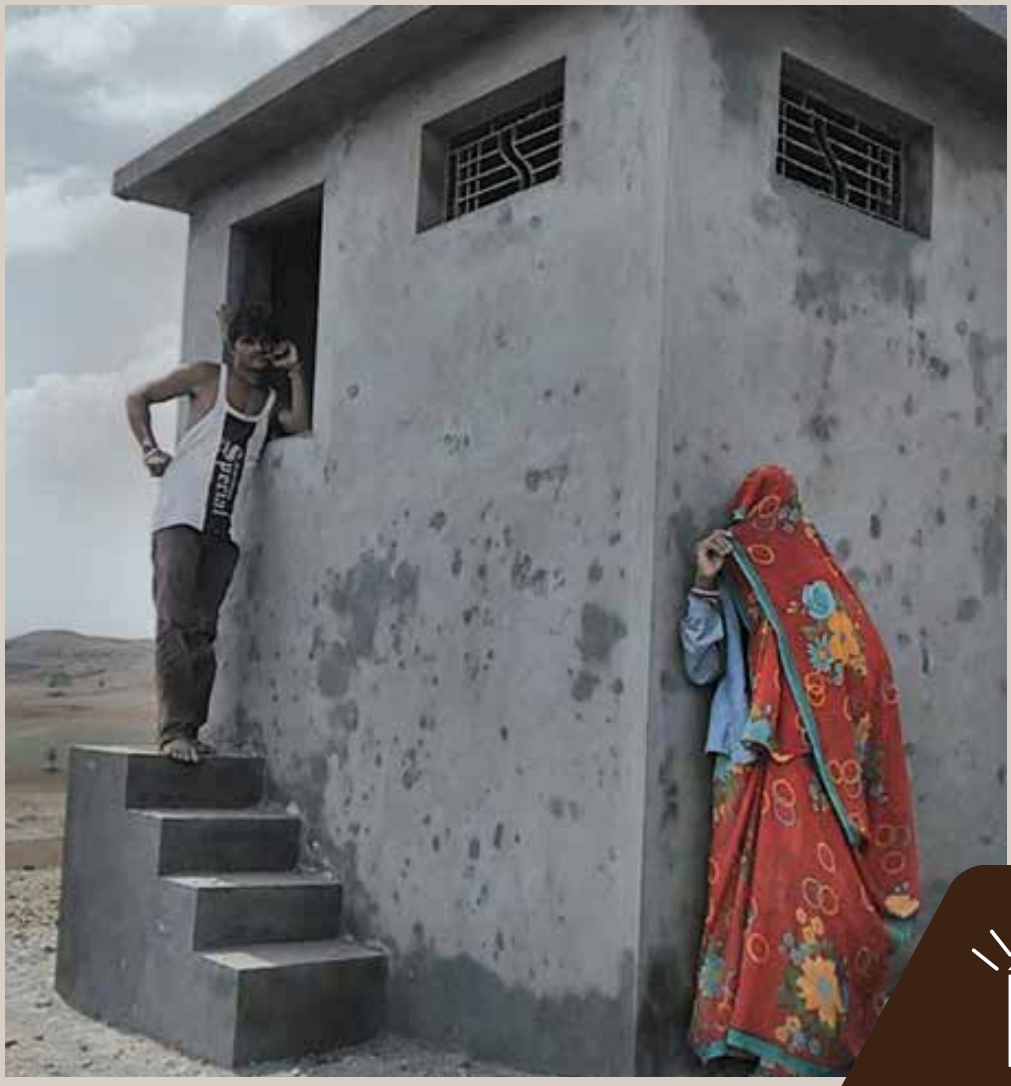

स्वच्छ विद्यालय

छिंदवाड़ा जिलें में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत शौचालय निर्माण

सीधी जिलें में सभी शौचालयों का निर्माण नि:शक्तजनों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया गया

बालाघाट जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी समस्त स्कूलों में शौचालय निर्माण सुनिश्चित किया गया।

उमरिया जिले में ऐसी शालाएं जहां पानी को लिफ्ट करने की सुविधा नहीं है ऐसी शालाओं में बाहर पानी की टंकी का निर्माण कराया

स्वच्छ विद्यालय

सर्व शिक्षा अभियान के तहत् शौचालय निर्माण

ग्वालियर जिलें में नि:शक्तजनों की आवश्यकता हेतु शौचालयों का निर्माण

जिला बैतूल में हायर सेकेण्डरी स्कूल में बालक एवं बालिकाओं हेतु एकीकृत शौचालय इकाई में पानी की टंकी के साथ निर्माण

जिला मन्दसौर में सभी आयु वर्ग के बच्चों को ध्यान में रखते हुये ढाल के अनुसार हाथ धुलाई इकाई का निर्माण किया गया

स्वच्छ विद्यालय

सीहोर जिले में सेनेटरी वेस्ट डिस्पोजल हेतु इनसिनिरेटर युक्त बालिका शौचालयों का निर्माण

बडवानी जिले के पाटी विकासखण्ड में दुर्गम पहाडी क्षेत्र है। वहां निर्माण सामग्री का परिवहन किया जाना संभव नही था। अत: **SMC's** द्वारा स्थानीय प्रयोग से प्री–फेब शौचालय निर्मित किये गये। निर्माण पूर्ण होने के बाद यह वहां के बच्चों के लिये आकर्षण का केन्द्र बन गया है।

उमरिया जिला आदिवासी बाहुल्य है। जहां के बैगा आदिवासी की चित्रकला बैगा पेंटिग के नाम से प्रसिद्ध है। शौचालय की दीवार पर बैगा कलाकृतियों से स्वच्छता का संदेश दिया गया।

नगर निगम ग्वालियर ने अपनी स्थानीय निधि से उत्कृष्ट स्तर की सामग्री का प्रयोग कर स्कूल शौचालय बनवाये। साथ ही **CWSN** बच्चों के लिये पृथक से सुविधा युक्त शौचालय बनवाया गया

स्वच्छ विद्यालय

उत्कृष्ट टाईल वर्क और समान रंग संयोजन के साथ स्तरीय शौचालय निर्माण

डिण्डोरी जिले में सेनिटेशन हेतु टाइल्स का प्रयोग किया गया

इंदौर जिले में शौचालय की बाहरी दीवारों पर सुंदर आई.ई.सी. पेंटिंग कार्य

नरसिंहपुर जिले ने पुराने शौचालयों में मरम्मत कार्य कराया, साथ ही नवीन शौचालयों का निर्माण स्थानीय सहयोग से कराया गया

स्वच्छ विद्यालय

स्वच्छ विद्यालय का प्रतीक एवं स्वच्छता से संबंधित स्लोगन्स

शौचालय की बाहरी दीवारों पर पेंट करने हेतु

- स्वच्छ शौचालय स्वस्थ विद्यालय
- सफाई से ना करें समझौता खुले में शौच, बीमारियों को न्यौता
- स्वच्छता भरपूर तो बीमारियां रहेंगी दूर
- स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ विचार बेहतर जीवन का ये आधार
- बिना सफाई, शिक्षा है अधूरी स्वच्छता अपनाना, सबसे अधिक जरूरी
- समझो सफाई का महत्व निरोगी रहें आप, विद्यालय रहे स्वच्छ
- साफ-सफाई से रहते जो बच्चे कहलाते वो सबसे अच्छे

शौचालय की भीतरी दीवारों पर पेंट करने हेतु

- शौच के बाद साबुन से धोएं हाथ
- दूसरों को ना हो असुविधा शौच पश्चात् सफाई का रखो ध्यान पूरा
- शौचालय के आसपास ना हो गंदगी का वास
- शौच के बाद, धोएं अपने हाथ शौचालय रखें साफ, ना हो बीमारियों का वास
- शौचालय का सही उपयोग स्वच्छ बने विद्यालय, दूर भगें रोग

जिला उज्जैन में हवादार एवं हाथ धोने के लिए उपयुक्त प्रबंध के साथ पूर्ण स्वच्छता मूलक शौचालयों का निर्माण किया गया

कदम कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ मध्य प्रदेश
सर्व शिक्षा अभियान
बालिका शौचालय निर्माण वर्ष 2014-15
शा.उत्कृष्ट मा.वि खुटवाडी
वि.खं. सेंधवा जिला बड़वानी

स्वच्छ
विद्यालय

स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश